एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य
2020-21

एम.ए. लोक प्रशासन द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–15	: लोक नीति और विश्लेषण
एम.पी.ए.–16	: विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
एम.पी.ए.–17	: इलैक्ट्रॉनिक शासन
एम.पी.ए.–18	: आपदा प्रबंधन
एम.एस.ओ.–002	: शोध पद्धतियाँ और विधियाँ
एमपीएस–003	: भारत : लोकतंत्र एवं विकास

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2020-2021

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.– 015
लोक नीति और विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-015

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-015/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. लोक नीति निरूपण में मुख्य व्यवरोध क्या है? **20**

2. तर्कसंगत नीति-निर्माण मॉडल का परीक्षण कीजिये तथा नीति के क्षेत्र में उसकी प्रासंगिकता को उजागर कीजिये। **20**

3. 'प्रभावकारी नीति-निर्माण नागरिक समाज संगठनों की सक्रिय भागीदारी तथा सभी स्तरों पर सरकार के सहयोग पर निर्भर करता है? टिप्पणी कीजिये। **20**

4. नीति-निर्माण में प्रधानमंत्री कार्यालय की भूमिका की व्याख्या कीजिये। **20**

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये :

   (क) नीति-निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की भूमिका **10**

   (ख) अंत-सरकारी संबंधों के मॉडल **10**

भाग-II

6. नीति कार्यान्वयन में विधायी और न्यायिक निकायों की भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों की व्याख्या कीजिये। **20**

7. नीति विश्लेषण की प्रक्रिया का परीक्षण कीजिये। **20**

8. नीति मॉनीटरिंग की तकनीकों की चर्चा कीजिये। **20**

9. नीति मूल्यांकन के स्वरूप और मानदंड का वर्णन कीजिये। **20**

10. भारत में केंद्रीय सार्वजनिक उद्यम की विनिवेश प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिये। **20**

एम.पी.ए.– 016
विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-016

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-016/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. समकालीन व्यवस्था में राजनीतिक और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की व्याख्या कीजिये। **20**

2. विकेंद्रीकरण के सामाजिक-आर्थिक घटक को उजाकर कीजिये तथा उसे सुदृढ़ बनाने के आवश्यक उपाय सुझाइये। **20**

3. शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय प्राधिकरणों और विशिष्ट कार्य-अभिकरणों के बीच भागीदारी का परीक्षण कीजिये। **20**

4. 'विकेंद्रित विकास के प्रभाव को राजनीतिक, प्रशासनिक, क्रियात्मक एवं वित्तीय पहलुओं पर देखा जा सकता है।' टिप्पणी कीजिये। **20**

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :
   (क) सामाजिक परिवर्तन के साधन के रूप में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका **10**
   (ख) संतुलन का सिद्धांत **10**

भाग-II

6. 73वें संवैधानिक संशोधन की विशेषताओं तथा अधिनियम पर टिप्पणियों की चर्चा कीजिये। **20**

7. विकास योजना के मूलाधार का वर्णन कीजिये तथा शहरी योजना के जटिल मुद्दों को उजागर कीजिये। **20**

8. सतत् विकास में राज्य तथा स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों की व्याख्या कीजिये। **20**

9. 'भारत में नगर निगम स्थानीय शासन के प्रभावी संस्थान के रूप में कार्य कर रहे हैं।' टिप्पणी कीजिये। **20**

10. प्रभावकारी लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और स्थानीय प्रशासन के लिये स्थानीय प्रशासन के क्षमता निर्माण के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिये। **20**

एम.पी.ए.– 017
इलैक्ट्रॉनिक शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-017

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-017/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग-I

1. ई-शासन की अवधारणा तथा मॉडलों की चर्चा कीजिये। **10**

2. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को परिभाषित कीजिये तथा उसके घटकों को संक्षिपत में उजागर कीजिये। **10**

3. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के विभिन्न सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों की व्याख्या कीजिये। **10**

4. 'सार्वजनिक सेवा वितरण में ई-शासन एक इलैक्ट्रॉनिक परिवर्तन लाया है।' उदाहरणों के साथ विस्तृत वर्णन कीजिये। **10**

5. प्रशासनिक संगठन संस्कृति से आप क्या समझते हैं? साथ ही व्याख्या कीजिये कि उसे तकनीकी संस्कृति के अनुरूप किस प्रकार परिवर्तित किया जा सकता है? **10**

भाग-II

6. आंध्र प्रदेश की ई-पंचायत परियोजना पर एक टिप्पणी लिखिये। **10**

7. डिजिटल पोर्टफोलियो और अंकीय पुस्तकालय का विस्तृत वर्णन कीजिये। **10**

8. 'रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र एक छतरी के रूप में भारतीय रेलवे के सभी कंप्यूटर संबंधित कार्यों को सम्मिलित करता है।' चर्चा कीजिये। **10**

9. आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम नगर निगम की सौकार्यम परियोजना का संक्षिप्त में वर्णन कीजिये। **10**

10. शासन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन में मुद्दों और चुनौतियों तथा उनके समाधान के उपायों की व्याख्या कीजिये। **10**

एम.पी.ए.– 018
आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए..-018

सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-018/टी.एम.ए./2020-2021

पूर्णांक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

भाग-I

1. विकास और पर्यावरण के बीच संबंध की चर्चा कीजिये। **10**

2. पर्वतीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की प्रकृति की संक्षिप्त में चर्चा कीजिये। **10**

3. दक्षिण एशिया में आपदा रोकथाम से संबंधित चुनौतियों का परीक्षण कीजिये। **10**

4. आपदाओं के प्रबंधन में संसाधन जुटाने की नई दिशाओं का वर्णन कीजिये। **10**

5. न्यूनीकरण को परिभाषित कीजिये तथा न्यूनीकरण में समस्या क्षेत्रों का वर्णन कीजिये। **10**

भाग-II

6. माल गोदाम और माल अधिसंचयन संबंधी आवश्यकताओं का परीक्षण कीजिये। **10**

7. राहत प्रशासन में समस्याओं की चर्चा कीजिये। **10**

8. विभिन्न प्रकार की क्षति रिपोर्टों की व्याख्या कीजिये। **10**

9. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। **10**

10. विभिन्न आपदा प्रबंधन कार्यनीतियों का अवलोकन कीजिये। **10**

एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2020-21

अधिकतम अंक : 100 अधिभारिता : 30%

अंक

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए।

1. 'वस्तुनिष्ठता, सार्वभौमीकरण और कारणात्मक व्याख्या के अपने मूलसिद्धांतों के साथ, विज्ञान का सामाजिक विज्ञान पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव बना रहा है' आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 25

2. शोध की सहभागिता पर क विधि क्या है? सविस्तार लिखिए। 25

3. मानवजाति शास्त्र क्या है? समाजशास्त्रीय शोध में इसके महत्व का वर्णन कीजिए। 25

4. प्रायिकता प्रतिचयन क्या है? इसके विविध प्रकारों का वर्णन कीजिए। 25

5. अंतर स्पष्ट कीजिए : 25

   (i) शुद्ध शोध और अनुप्रयुक्त शोध

   (ii) सहभागी प्रेक्षण और गैर–सहभागी प्रेक्षण

   (iii) प्रश्नावली और अनुसूची

   (iv) शोध की गुणात्मक एव ंपरिमाणात्मक विधियाँ

   (v) सहसंबंध एव ंसमाश्रयण

भाग II

निम्नलिखित विषय वस्तुओं में से किसी एक पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. फेसबुक मित्र 50

2. प्रवासी श्रमिकों का घर की ओर रुख (reverse migration) 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा लेख लिखिए।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययन करने होंगे और चयनित विषय वस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में मुद्दे को एक समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें,
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को खोलकर समझाएं एवं ठोस रूप से इनकी प्रस्तुति करें और
- उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2020-2021
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार प्रजातंत्र तथा विकास एक दूसरे से संबंधित हैं।

2. पुलिस, सेना तथा नौकरशाही के मध्य संबंधों की प्रकृति की चर्चा कीजिए।

3. आंतरिक प्रवास के क्या कारण हैं? व्याख्या कीजिए।

4. भारत में संघवाद की कार्यप्रणाली की चर्चा कीजिए।

5. संविधान के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के मुख्य प्रावधानों की तुलना कीजिए।

भाग – II

6. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) सतत विकास
   ख) जातीय विषमताएं

7. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) मीडिया और प्रजातंत्र
   ख) नृजातीय राजनीति

8. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) आर्थिक सुधार तथा मजदूर वर्ग
   ख) क्षेत्रवाद का आधार

9. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) जेंडर तथा न्याय
   ख) ठोस प्रजातंत्र (Substantive Democracy)

10. निम्नलिखित (प्रत्येक) पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
    क) भारत में भाषा तथा राजनीति
    ख) भारतीय प्रजातंत्र में नागरिक समाज की भूमिका